

वैज्ञानिक और तकनीकी उन्नति के एक नए दौर में भारत...

विज्ञान प्रगति
अक्टूबर 2024

निदेशक

डॉ. रंजना अग्रवाल

सम्पादक

डॉ. मनीष मोहन गोरे

सह सम्पादक

शुभदा कपिल

प्रोडक्शन

अश्वनी कुमार ब्राह्मी

अरुण अनियाल

मो० शकील अहमद

लेआउट डिजाइन एवं आवरण

अभिनव राज

बिक्री एवं वितरण

नीलू श्रीवास्तव

विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने हर काल खंड में देश और मानव समाज के कल्याण व उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। ब्रिटिश काल में रेल, डाक और तार (टेलीग्राम) जैसे आविष्कारों ने मानव जीवन की दशा और दिशा को आमूलचूल परिवर्तित कर दिया था। वहीं वर्ष 1947 में भारत जब स्वतंत्र हुआ तो देश में गरीबी, बदहाली और भुखमरी के हालात थे। ऐसी विकट स्थिति से बाहर निकालने में भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी।

कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, उद्योग, परिवहन, उर्जा, खाद्य, निर्माण जैसे मानव जीवन के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उत्तरोत्तर प्रगति व सुधार को सुनिश्चित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुसन्धान ही कारगर साबित होते हैं। चाहे मलेरिया, चेचक, पोलियो और कोविड-19 जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हों या कीटनाशक और उर्वरक जैसे आविष्कार हों या फिर कंप्यूटर एवं संचार क्रांति हो, ये सभी विज्ञान व प्रौद्योगिकी से ही प्रेरित-संचालित होते रहे हैं।

वर्तमान समय में भारत वैज्ञानिक और तकनीकी उन्नति के एक नए दौर से गुजर रहा है। दूरदर्शी नेतृत्व की इसमें अहम भूमिका होती है। अनुसन्धान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) वैज्ञानिक शोध संस्थानों और शैक्षणिक शोध संस्थानों को एक साथ लाकर देश में वैज्ञानिक अनुसन्धान को एक नई दिशा देने के लिए तैयार है। भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना में ऐसे असंख्य शोध संस्थानों को उर्जा और संबल प्रदान किया जाएगा जो संसाधन की कमी से बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे। वहीं दूसरी ओर अनेक भारतीय शोध संस्थानों को वैश्विक स्तर पर ले जाने की भी योजना बनायी गयी है। 10 सितम्बर 2024 को देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में एएनआरएफ की पहली शासी निकाय की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी जिसमें इस पहल से जुड़े भावी कार्यों की रुपरेखा निश्चित की गयी है।

क्वांटम भौतिकी को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन, महासागरीय जैव एवं अजीव संसाधनों की खोज करने वाला डीप ओशन मिशन (समुद्रयान), किसानों के जीवन में आशातीत बदलाव लाने वाली सीएसआईआर की बैंगनी क्रांति, वन वीक वन लैब और वन वीक वन थीम, इसरो का गगनयान मिशन समान महत्व के वैज्ञानिक कदम हैं जिनका नेतृत्व भारत सरकार के विभिन्न वैज्ञानिक मंत्रालयों के द्वारा किया जा रहा है। ये समस्त वैज्ञानिक प्रयास आम जनता के कल्याण के जरिये भारत की सामाजिक-राष्ट्रीय प्रगति को सुनिश्चित करते हैं।

विज्ञान प्रगति का अक्टूबर 2024 अंक आपको कैसा लगा, इस बारे में अपने विचार अवश्य साझा करिएगा। पत्रिका की गुणवत्ता में सुधार के लिए हमें आपके बहुमूल्य सुझावों की हमेशा प्रतीक्षा रहेगी।


(मनीष मोहन गोरे)

© 2024 राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान, लेखकों के कथनों और मतों के लिए सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान, डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली - 110012 उत्तरदायी नहीं है। पत्रिका से संबंधित सभी विवाद दिल्ली न्यायालय द्वारा ही निपटायें जायेंगे।

मूल्य: एक अंक: 75.00 रुपये; एक वर्ष: 750.00 रुपये; दो वर्ष: 1425.00 रुपये; तीन वर्ष: 2025.00 रुपये, **विदेशी वार्षिक सदस्यता:** 108\$

पृष्ठताछ: 011-25841647, **ई-मेल:** psmsupport@niscpr.res.in

सम्पादकीय: 011-25841769, 011-25846301, 04-07/370, **प्रोडक्शन:** 011-25847353, 25846301, 04-07/217, 221

बिक्री एवं विज्ञापन: 011-25841647, **EPABX:** 011-25846301 Ext. 289, **ई-मेल:** psmsupport@niscpr.res.in, **फैक्स:** 011-25847062

ई-मेल: vp@niscpr.res.in; **वेबसाइट:** https://niscpr.res.in